शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
वार्षिक पाठ्यक्रम (2026-27)
कक्षा: 8, विषय: हिंदी

क्र. सं.	(मल्हार) पाठ का नाम, विधा, रचयिता	विषयवस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ	सुझावात्मक गतिविधि/क्रियाकलाप
1.	स्वदेश (कविता) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'	प्रस्तुत कविता बहुत ही प्रभावशाली ढंग से देश-प्रेम की भावना जागृत करती है।	• भाषा की बात -स्वदेश से जुड़े शब्द -विराम चिह्न (पुनरावृत्ति) -'है' पहले आने से लयात्मकता -समानार्थी शब्द (पुनरावृत्ति) • संज्ञा एवं उसके भेद (पुनरावृत्ति) • विशेषण एवं भेद (पुनरावृत्ति) • कविता की रचना - तुक मिलाना और उसके प्रभाव पर चर्चा • आपकी कविता - देश-प्रेम के विचार पर कविता का विस्तार	• भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • देश-प्रेम की भावना को आत्मसात कर सकेंगे। • देश-प्रेम के महत्त्व को अभिव्यक्त कर सकेंगे। • कविता का सार अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.5 **CG-2:** C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.2 **CG-4:** C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.2	• मेरी समझ से - समूह में चर्चा • मिलकर करें मिलान - कविता की पंक्तियों का सही अर्थ या संदर्भ से मिलान • पंक्तियों पर चर्चा - पंक्तियों पर समूह-चर्चा और लेखन • सोच-विचार के लिए - कविता पर आधारित प्रश्नों के उत्तर का लेखन • अनुमान और कल्पना से - समूह-चर्चा और लेखन • कविता का शीर्षक - एक पंक्ति को चुनकर नया शीर्षक देना • आपकी बात - 'स्वदेश-प्रेम' को दर्शाते चित्रों पर निशान लगाना • हमारे अस्त्र-शस्त्र • अपनी भाषा अपने गीत • तिरंगा झंडा - कब प्रसन्न और कब उदास

						• झरोखे से • साझी समझ • खोजबीन के लिए
2.	दो गौरैया (कहानी) भीष्म साहनी	प्रस्तुत कहानी में दो गौरैया के माध्यम से यह दर्शाया गया है कि छोटी-सी जीव की चहचहाहट से व्यक्ति का कठोर हृदय भी पिघल जाता है।	• सर्वनाम एवं उसके भेद (पुनरावृत्ति) • कहने का ढंग/ क्रिया विशेषण और उसके भेद (पुनरावृत्ति) - रेखांकित क्रिया विशेषणों से वाक्य-निर्माण • बदली कहानी - कहानी का अंत बदल देने पर बदली हुई कहानी का लेखन • हेर-फेर मात्रा का - मात्राओं के हेर-फेर से शब्दों के अर्थ में परिवर्तन • कहानी की रचना - कहानी की विशेषताओं की सूची बनाना और दी हुई विशेषताओं के	• सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • कहानी का सार अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • विद्यार्थी सभी जीवों के प्रति प्रेम की आवश्यकता को समझकर उसे अपने व्यवहार में अपना सकेंगे। • विद्यार्थी पशु-पक्षियों की सुरक्षा के प्रति संवेदना को समझकर उसे अपने व्यवहार में प्रदर्शित कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका	**CG-1:** C-1.1, C-1.3 **CG-2:** C-2.3 **CG-3:** C-3.1, C-3.2 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.3	• मेरी समझ से - समूह में चर्चा • मिलकर करें मिलान - पाठाधारित वाक्यों का सही अर्थों से मिलान • पंक्तियों पर चर्चा - समूह में चर्चा और लेखन • सोच-विचार के लिए - पाठ पर आधारित प्रश्नों के उत्तरों का लेखन • अनुमान और कल्पना से - कल्पना एवं विश्लेषण • संवाद और अभिनय - दी गई स्थितियों पर समूह में संवाद लेखन और अभिनय • घर के प्राणी - कहानी में वर्णित प्राणियों द्वारा मनुष्यों के काम करने की सूची का निर्माण • वाद-विवाद - निर्धारित कथन के पक्ष-विपक्ष में कक्षा के आधे-आधे समूह में वाद-विवाद • पाठ से आगे - पूछे गए प्रश्नों के उत्तर का लेखन • चिड़ियों का घोंसला - घोंसले ढूँढ़कर तालिका को पूरा करना; एकत्रित जानकारियों की प्रस्तुति

			उदाहरण कहानी से चुनना	भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।		• मल्हार राग • हास्य-व्यंग्य • आज की पहेली • झरोखे से • साझी समझ
	मित्रलाभ (कहानी) पंचतंत्र से	पढ़ने के लिए	कुछ पाठ 'पढ़ने के लिए' दिए गए हैं, जो कहीं संबंधित पाठ के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।			
3.	एक आशीर्वाद (कविता) दुष्यंत कुमार	यह कविता बच्चों/ युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए यथार्थ की जमीन पर मेहनत करने का संदेश देती है।	• क्रिया शब्दों की पहचान एवं क्रिया के भेद (अकर्मक एवं सकर्मक) (पुनरावृत्ति) • पर्यायवाची शब्द (पुनरावृत्ति) • आना-जाना - क्रियाओं का प्रयोग करते हुए सार्थक वाक्य का निर्माण • सृजन - एक संज्ञा शब्द के साथ विभिन्न क्रिया शब्दों का प्रयोग करते हुए कविता की रचना	• भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • कविता का केंद्रीय भाव, अपने शब्दों में लिखने में सक्षम होंगे। • 'स्वप्न' के प्रतीकात्मक अर्थ (लक्ष्य, आकांक्षा, जीवन-दृष्टि) की पहचान कर उनका विश्लेषण प्रस्तुत कर सकेंगे। • विद्यार्थी बड़े सपने देखने तथा उन्हें पूरा करने के लिए आवश्यक प्रयास,	**CG-1:** C-1.1, C-1.2, C-1.3 **CG-2:** C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.2	• मेरी समझ से - समूह में चर्चा • मिलकर करें मिलान - कविता की पंक्तियों का भावार्थ अथवा संदर्भों से सही मिलान • पंक्तियों पर चर्चा - समूह में चर्चा और लेखन • अनुमान और कल्पना से - समूह में चर्चा • कविता की रचना - समूह में चर्चा और लेखन • कविता का शीर्षक - तर्क सहित चयन • भाषा की बात - शब्दों से जुड़े संप्रत्यय मानचित्र (कॉनसैप्ट मैप)

			• डायरी लेखन • अपने से छोटी/छोटे बहन/भाई को उनके प्रति शुभेच्छा प्रकट करते हुए पत्र लिखिए। • अपने स्वप्न के बारे में बताते हुए कि आप जीवन में क्या करना चाहते हैं? अपने से बड़े भाई/बहन को पत्र लिखिए।	साहस और आत्मनिर्भरता के महत्त्व को समझ सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।		• आपकी बात • सपनों की बातें • हमारे सपने - घर के सदस्यों के सपने • सबके सपने - साक्षात्कार के लिए प्रश्नों की सूची • झरोखे से • साझी समझ • खोजबीन के लिए
4.	हरिद्वार (पत्र) भारतेंदु हरिश्चंद्र	इस पाठ में लेखक हरिद्वार की प्राकृतिक सुंदरता, पवित्रता और धार्मिक महत्त्व का सजीव चित्रण करता है।	• वचन की पहचान और वचन के भेद • काल की पहचान और काल के भेद (पुनरावृत्ति) • 'है' और 'हैं' का प्रयोग • समानार्थी शब्द (पुनरावृत्ति) • विपरीतार्थक शब्द (पुनरावृत्ति) • भावों की पहचान - वाक्यों में निहित भावार्थ लेखन	• सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • हरिद्वार के प्राकृतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व को अभिव्यक्त कर सकेंगे। • विद्यार्थी यात्रा-वृत्तांत और पत्र-लेखन की विशेषताओं को पहचानकर उन्हें लिख सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4, C-1.5 **CG-2:** C-2.1, C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1, C-3.2	• मेरी समझ से - समूह चर्चा • मिलकर करें मिलान - पाठगत शब्दों का संदर्भ से मिलान • मिलकर करें चयन - पंक्तियों का उनके सही निष्कर्ष से मिलान • पंक्तियों पर चर्चा - समूह चर्चा • सोच-विचार के लिए - पठन-बोध एवं अनुभव लेखन • अनुमान और कल्पना से - कल्पित स्थिति के अनुसार लेखन • शब्द से जुड़ें शब्द - शब्दों से जुड़े संप्रत्यय मानचित्र (कॉनसैप्ट मैप)

			• संवाद लेखन • पत्र लेखन - आपने जो यात्रा वर्णन पढ़ा है, इसे भारतेंदु हरिश्चंद्र ने एक संपादक के रूप में लिखकर भेजा था। आप भी अपनी किसी यात्रा के विषय में अपने किसी परिचित को पत्र लिखिए। • यात्रा सबके लिए - यात्रा के दौरान ध्यान रखने वाली बातें • स्वास्थ्य और योग - अनुच्छेद लेखन एवं सूचना लेखन (विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन का अभ्यास करवाएँ)	हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1	• लेखन के अनोखे तरीके - तुलनात्मक वाक्यों के माध्यम से दृश्यों का वर्णन, वर्तमान हिंदी का रूप एवं प्राचीन वर्तनी • आपकी बात - आत्म विश्लेषण • सज्जन वृक्ष - पौधा लगाना और उसके बारे में दैनंदिनी में लिखना • प्रकृति सौंदर्य और संरक्षण - पोस्टर बनना • अपने शब्द - शब्द से जुड़े शब्द • यात्रा के व्यय की गणना- व्यय का विवरण एवं स्मृति चिह्न की खरीद • आज की पहेली • झरोखे से • खोजबीन के लिए - नाटक 'अंधेर नगरी' का पठन

5.	कबीर के दोहे (दोहे) कबीर	प्रदत्त दोहों में 'कबीर' द्वारा गुरु-महिमा, अभिमान की निस्सारता, अति का दुष्प्रभाव, वाणी की शीतलता, निंदक की महत्ता, साधु का स्वभाव और संगति के महत्व आदि का वर्णन किया है।	• उपसर्ग एवं प्रत्यय • दोहे और कहावतें- कहावतों के अर्थ एवं वाक्य प्रयोग • सृजन- दोहे पर आधारित कहानी लेखन • आज के समय में - घटना के अनुसार दोहा लेखन • कबीर हमारे समय में- कबीर से साक्षात्कार (काल्पनिक), प्रश्न एवं अनुमानित उत्तर लेखन • पत्र लेखन - आपकी कक्षा, विद्यालय की प्रार्थना सभा में 'कबीर' के दोहों' का नाट्य मंचन प्रस्तुत करना चाहती है। प्रधानाचार्या /प्रधानाचार्य से अनुमति हेतु पत्र लिखिए।	• भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • दोहों के भावार्थ को अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • दोहों में निहित सीख को अपने दैनिक जीवन से जोड़ सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.2, C-1.3, C-1.5 **CG-2:** C-2.1, C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1, C-3.2 **CG-4:** C-4.2 **CG-5:** C-5.2	• मेरी समझ से - समूह चर्चा • मिलकर करें मिलान - दोहों का सही अर्थ या संदर्भ से मिलान • पंक्तियों पर चर्चा - समूह चर्चा • सोच-विचार के लिए - पाठाधारित प्रश्नों के उत्तरों का लेखन • दोहे की रचना - दोहों का विश्लेषण • अनुमान और कल्पना से - कल्पित स्थिति में तार्किक निर्णय लेना • वाद-विवाद - दोहों में प्रस्तुत भाव के पक्ष और विपक्ष में विचार/तर्क प्रस्तुति • शब्द से जुड़े शब्द - शब्दों से जुड़े संप्रत्यय मानचित्र (कॉनसैप्ट मैप) • सबकी प्रस्तुति - दोहों की प्रस्तुति- गायन, भाव-नृत्य, पाठ और अभिनय द्वारा • आपकी बात - अनुभव साझा करना • साइबर सुरक्षा और दोहे - दोहों में निहित साइबर सुरक्षा के उपाय • खोजबीन के लिए
	कदम मिलाकर	पढ़ने के लिए	कुछ पाठ 'पढ़ने के लिए' दिए गए हैं, जो कहीं संबंधित पाठ के विषय			

	चलना होगा (कविता) अटल बिहारी वाजपेयी		को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।			
6.	एक टोकरी भर मिट्टी (कहानी) माधवराव सप्रे	इस कहानी में एक अभावग्रस्त वृद्धा और एक अहंकारी ज़मींदार के माध्यम से मानवीय करुणा, न्याय और आत्मबोध का चित्रण किया गया है।	• काल और काल के भेद (पुनरावृत्ति) • वचन की पहचान (पुनरावृत्ति) • संबंधबोधक एवं समुच्चयबोधक शब्द (पुनरावृत्ति) • 'कि' और 'की' उपयोग • मुहावरे • भावों की पहचान - भाववाचक संज्ञा • आज की पहेली - वर्ण विच्छेद • कहानी की विशेषताओं की सूची बनाना • संवाद लेखन • डायरी लेखन • पत्र लेखन (विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं	• सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • पाठ का सार अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • विद्यार्थी अन्याय, दया, करुणा और आत्मबोध जैसे मानवीय मूल्यों की पहचान कर उनके उदाहरण प्रस्तुत कर सकेंगे। • कहानी में घटित घटनाओं का तार्किक विश्लेषण कर सकेंगे। • पाठ के संदर्भ में मिट्टी' के प्रतीकात्मक अर्थ और भाव की व्याख्या कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4 **CG-2:** C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1, C-3.2 **CG-4:** C-4.1, C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.3	• मेरी समझ से - समूह चर्चा • मिलकर करें मिलान - पाठगत वाक्यों का सही निष्कर्ष से मिलान • पंक्तियों पर चर्चा - समूह चर्चा और लेखन • सोच-विचार के लिए - कहानी की घटनाओं का विश्लेषण • अनुमान और कल्पना से - कहानी की घटनाओं के कारणों की समीक्षा • बदली कहानी - कहानी की घटनाओं को बदलकर कहानी में हुए परिवर्तन की समूह में चर्चा और लेखन • शब्दकोश का उपयोग - शब्द का सही अर्थ से मिलान • वाक्य विस्तार • संवाद फ़ोन पर • पोती की भावनाएँ • आपकी बात - अनुभव लेखन • न्याय और समता - आस-पास के वातावरण एवं स्थितियों का विश्लेषण

			अधिगम के आधार पर समसामयिक विषयों पर औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास करवाएँ)	हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।		• घर-घर की कहानी - अपने घर के बनने की कहानी • न्याय और करुणा से जुड़ी सहायता - नागरिक शिकायत प्रक्रिया के प्रति जागरुकता • आज की पहेली • खोजबीन के लिए

आंतरिक मूल्यांकन

नोट -:

- **पाठ्यचर्या लक्ष्य और उनकी दक्षताओं का विवरण परिशिष्ट 1 में दिया गया है।**
- **पाठ-विशेष में किसी पाठ्यचर्या लक्ष्य और दक्षता को प्राप्त करने के लिए शिक्षक स्वयं उपयुक्त गतिविधियों का निर्माण करने के लिए स्वतंत्र हैं।**
- **पाठ्यचर्या लक्ष्य CG-1 की दक्षता C-1.3 को प्राप्त करने के लिए सभी पाठों के दौरान विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें।**
- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 05 सितंबर 2026 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **मध्यावधि परीक्षा हेतु पुनरावृत्ति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है।**

पुनरावृत्ति

मध्यावधि परीक्षा

क्र.सं.	(मल्हार) पाठ का नाम, विधा, रचयिता	विषयवस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ	सुझावात्मक गतिविधि/क्रियाकलाप
7.	मत बाँधो (कविता) महादेवी वर्मा	यह कविता संदेश देती है कि सपनों और विचारों को बाँधना नहीं चाहिए। उन्हें स्वतंत्र छोड़ने से ही रचनात्मकता, प्रगति और जीवन की सुंदरता विकसित होती है।	• कविता की रचना - कविता की विशेषताओं की सूची बनाना • समानार्थी शब्द (पुनरावृत्ति) • सृजन- विराम चिह्न (पुनरावृत्ति) • विपरीतार्थक शब्द (पुनरावृत्ति) • काल परिवर्तन • अनेकार्थी शब्द • कारक शब्दों की पहचान	• भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • कविता के केंद्रीय भाव को अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • सपनों की स्वतंत्रता के महत्त्व को अभिव्यक्त कर सकेंगे। • कल्पना, स्वतंत्र विचार और रचनात्मकता को जीवन-सौंदर्य से जोड़कर उदाहरण सहित समझा सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.5 **CG-2:** C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1, C-3.2 **CG-4:** C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.2, C-5.3	• मेरी समझ से - समूह चर्चा • पंक्तियों पर चर्चा - समूह चर्चा और लेखन • मिलकर करें मिलान - पंक्तियों का भाव अथवा संदर्भ से मिलान • शीर्षक - अन्य शीर्षक एवं तर्क • अनुमान और कल्पना से - कल्पित स्थिति में तार्किक निर्णय लेना • शब्दकोश से - एक शब्द के विभिन्न अर्थ • आपकी बात • चर्चा-परिचर्चा - समूह चर्चा • वाद-विवाद - कविता के पक्ष-विपक्ष में तर्क • देखना-सुनना-समझना... • आपदा प्रबंधन • शिल्प • झरोखे से • साझी समझ • खोजबीन के लिए

8.	नए मेहमान (एकांकी) उदयशंकर भट्ट	प्रस्तुत एकांकी में एक शहरी मध्यमवर्गीय परिवार के घर अनजान मेहमानों के आ जाने से उत्पन्न परेशानियों का चित्रण किया गया है।	• कर्ता के अनुसार लिंग परिवर्तन • निपात शब्द • एकांकी की रचना - एकांकी की विशेषताएँ एवं रंगमंच निर्देश • मुहावरे (पुनरावृत्ति) • सृजन - सार लेखन • औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र लेखन अभ्यास	• सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • मध्यवर्गीय शहरी परिवार की आर्थिक, सामाजिक और आवासीय समस्याओं का विश्लेषण कर सकेंगे। • 'अतिथि-सेवा' की सामाजिक परंपरा का शहरी जीवनशैली के संदर्भ में विश्लेषण कर उससे उत्पन्न तनाव के कारणों और प्रभावों को उदाहरण सहित स्पष्ट कर सकेंगे। • पात्रों के स्वभाव, मानसिकता, और व्यवहार का तार्किक विश्लेषण कर सकेंगे। • एकांकी का सार अपने शब्दों में लिख सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।	**CG-1:** C-1.1 C-1.3, C-1.5 **CG-2:** C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.1, C-3.2 **CG-4:** C-4.1, C-4.2	• मेरी समझ से - समूह चर्चा • पंक्तियों पर चर्चा - समूह चर्चा • मिलकर करें मिलान - काव्य पंक्तियों का भावों से मिलान • सोच-विचार के लिए - पाठगत प्रश्न • अनुमान और कल्पना से - कहानी की घटनाओं का तार्किक विश्लेषण • अभिनय की बारी - एकांकी की अभिनय द्वारा प्रस्तुति • आपकी बात - अनुभव लेखन • सावधानी और सुरक्षा - कहानी की घटनाओं को दैनिक जीवन में सुरक्षा के विषय से जोड़कर देखना • गरमी का प्रकोप - समूह चर्चा • तार से संदेश - वर्तमान समय में संदेश के माध्यम • नाप, तौल और मुद्राएँ - विभिन्न मात्रकों की जानकारी • झरोखे से • साझी समझ • खोजबीन के लिए

9.	आदमी का अनुपात (कविता) गिरिजा कुमार माथुर	यह कविता बताती है कि विशाल ब्रह्मांड के सामने मनुष्य अत्यंत छोटा है, फिर भी वह अहंकार, स्वार्थ और सत्ता के भ्रम में खुद को सबसे बड़ा समझने लगता है।	• आपके शब्द - यौगिक शब्द • विशेष्य और विशेषण की पहचान एवं भेद (पुनरावृत्ति) • अनुमान और कल्पना - विचार प्रधान एवं स्वतंत्र अभिव्यक्ति वाले प्रश्न - यात्रा-वृत्तांत लेखन - अनुच्छेद लेखन - पोस्टर बनाना • कविता की रचना - निर्देशक चिह्न एवं कविता की विशेषताएँ • कविता का सौंदर्य - नई	• भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • कविता का केंद्रीय भाव, अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे। • ब्रह्मांड के संदर्भ में मनुष्य के सूक्ष्म अस्तित्व का विश्लेषण कर अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे। • अहंकार, ईर्ष्या, स्वार्थ और घृणा जैसे नकारात्मक भावों की पहचान कर उनके प्रभावों का विश्लेषण कर सकेंगे। • समाज में संतुलन, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों के महत्व पर उदाहरण सहित चर्चा कर अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए	**CG-1:** C-1.1, C-1.3, C-1.4 **CG-2:** C-2.2, C-2.3 **CG-3:** C-3.2 **CG-4:** C-4.1 C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.2, C-5.3	• मेरी समझ से - समूह चर्चा • पंक्तियों पर चर्चा - समूह चर्चा • मिलकर करें मिलान - पंक्तियों का भावार्थ से मिलान • अनुपात - विस्तृत दृष्टिकोण हेतु आवश्यक गुणों पर समूह चर्चा • सोच-विचार के लिए - कविता में व्यक्त भावों का विश्लेषण • शब्द से जुड़े शब्द - संप्रत्यय मानचित्र (कान्सेप्ट मैप) • सृजन - 'मानसिक-चित्रण' एवं अभिव्यक्ति • आपके प्रश्न - प्रश्नों की सूची • आपकी बात - अभिव्यक्ति • संख्यातीत शंख - भारतीय संख्या प्रणाली • समावेशन और समानता - समूह चर्चा • आज की पहेली • झरोखे से • साझी समझ • खोजबीन के लिए

			क्रियाओं का प्रयोग करते हुए कविता की रचना	उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।		
10	तरुण के स्वप्न (उद्‌बोधन) सुभाषचंद्र बोस	यह उद्‌बोधन नेताजी ने मेदिनीपुर जिला युवक-सम्मलेन में 1929 में युवाओं को संबोधित करते हुए दिया था। इस उद्‌बोधन में तरुण वर्ग को ऐसे समाज के निर्माण हेतु प्रेरित किया गया है।	• भाषा की बात - विशेषण एवं भेद (पुनरावृत्ति) • विपरीतार्थक शब्द (पुनरावृत्ति) • समास एवं समास के भेद (समस्त) • श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द • वाक्यांश के लिए एक शब्द • अनुच्छेद लेखन - 'डिजिटल युग और लघु उद्‌योग' विषय पर लेखन (विद्‌यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता	• सस्वर वाचन में सक्षम होंगे। • विद्‌यार्थी सुभाषचंद्र बोस 'नेताजी' के विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं। • देशभक्ति, त्याग, कर्तव्यबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों को समझते हैं। • युवा वर्ग की भूमिका और जिम्मेदारियों पर विचार करते हैं। • पाठ में व्यक्त विचारों का विश्लेषण करते हैं और अपने शब्दों में व्यक्त करते हैं। • पाठ को ऐतिहासिक एवं वर्तमान संदर्भों से जोड़कर देखते हैं। • पाठ से प्राप्त संदेश को व्यावहारिक जीवन से जोड़ते हैं।	**CG-1:** C-1.1, C-1.2, C-1.3, C-1.4 **CG-2:** C-2.1, C-2.3 **CG-3:** C-3.1, C-3.2 **CG-4:** C-4.2 **CG-5:** C-5.1, C-5.3	• मेरी समझ से - समूह चर्चा • मिलकर करें मिलान - पंक्तियों का संबंधित भाव-विचार से सही मिलान • पंक्तियों पर चर्चा - समूह चर्चा • सोच-विचार के लिए - नेताजी सुभाषचंद्र बोस से संबंधित प्रश्नों का विश्लेषण • अनुमान और कल्पना से - पाठ में प्रयुक्त कथनों का तार्किक विश्लेषण • शीर्षक - शीर्षक विश्लेषण एवं शीर्षक हेतु सुझाव • आपकी बात - स्वदेश की प्रगति और स्वतंत्रता के संबंध में विचार • मिलान कीजिए - स्वतंत्रता सेनानियों के नाम एवं उनसे जुड़े तथ्यों से मिलान • सर्वांगीण स्वाधीन संपन्न समाज के लिए प्रयास • स्त्री सशक्तीकरण - महिलाओं के विशेषाधिकार, 'आजाद हिंद फौज' में महिलाओं की भूमिका

			एवं अधिगम के आधार पर समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन का अभ्यास करवाएँ)	• पाठांतर्गत प्रयुक्त नये शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • पाठांतर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिंदुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ हो सकेंगे।		• आपके प्रिय स्वतंत्रता सेनानी - अभिनय • "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।" - नारे और स्वतंत्रता सेनानियों का मिलान • नेताजी सुभाषचंद्र बोस या अपने प्रिय स्वतंत्रता सेनानी से से काल्पनिक साक्षात्कार की योजना (प्रश्न एवं अनुमानित उत्तर) बनाना • परियोजना कार्य - महिला एवं पुरुष स्वतंत्रता सेनानियों के चित्रों का संग्रह • झरोखे से • साझी समझ • खोजबीन के लिए
	भारति, जय, विजय करे! (कविता) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	पढ़ने के लिए	कुछ पाठ 'पढ़ने के लिए' दिए गए हैं, जो कहीं संबंधित पाठ के विषय को पोषित करते हैं तो कहीं रचना की विविधता प्रस्तुत कर विद्यार्थी की रुचि का विस्तार करते हैं।			

	शब्दकोश					• शब्दकोश का प्रयोग सिखाएँ। - क्रम - व्याकरणिक जानकारी (शब्द-संक्षेप का अर्थ) - संदर्भगत अर्थ
	'ब्रेल भारती' हिंदी वर्ण व गिनती					'ब्रेल भारती' के अंतर्गत हिंदी वर्णमाला और गिनती के देवनागरी लिपि के भारतीय ब्रेल रूप से विद्यार्थियों का परिचय करवाएँ।

आंतरिक मूल्यांकन

नोट-

- **पाठ्यचर्या लक्ष्य और उनकी दक्षताओं का विवरण परिशिष्ट 1 में दिया गया है।**
- **पाठ-विशेष में किसी पाठ्यचर्या लक्ष्य और दक्षता को प्राप्त करने के लिए शिक्षक स्वयं उपयुक्त गतिविधियों का निर्माण करने के लिए स्वतंत्र हैं।**
- **पाठ्यचर्या लक्ष्य CG-1 की दक्षता C-1.3 को प्राप्त करने के लिए सभी पाठों के दौरान विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें।**
- **समस्त पाठ्यक्रम 30 जनवरी 2027 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **वार्षिक परीक्षा में समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है।**

समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति

वार्षिक परीक्षा

परिशिष्ट 1

पाठ्यचर्या लक्ष्य एवं दक्षताएँ	
CG-1: वर्णन, विश्लेषण और प्रतिक्रिया के लिए भाषा कौशल का उपयोग करते हुए प्रभावी संचार की क्षमता विकसित करते हैं।	C-1.1 पाठ (समाचार लेख, रिपोर्ट और संपादकीय) को ध्यानपूर्वक सुनकर या पढ़कर मुख्य बिंदुओं की पहचान करते हैं और उनका सारांश प्रस्तुत करते हैं।
	C-1.2 विभिन्न प्रकार के साक्षात्कारों (संरचित और असंरचित) को सुनते हैं, उनकी योजना बनाते हैं और उनका संचालन करते हैं।
	C-1.3 सामाजिक अनुभवों के बारे में उपयुक्त भाषा का प्रयोग करते हुए गहन प्रश्न (संदर्भ के अनुसार संवेदनशीलता के साथ खुले/बंद प्रश्न, औपचारिक/अनौपचारिक प्रश्न) पूछते हैं।
	C-1.4 विभिन्न श्रोताओं और उद्देश्यों के लिए उपयुक्त शैली और स्तर का प्रयोग करते हुए विभिन्न प्रकार के पत्र, निबंध और रिपोर्ट लिखते हैं।
	C-1.5 विभिन्न श्रोताओं और उद्देश्यों के लिए ऑडियो, दृश्य या दोनों प्रकार की सामग्री तैयार करते हैं।
CG-2: विभिन्न प्रकार के साहित्यिक उपकरणों का अन्वेषण करके भाषा और उससे संबंधित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हैं।	C-2.1 विभिन्न संस्कृतियों और कालखंडों से संबंधित साहित्य के विभिन्न रूपों (गद्य, पद्य और नाटक) और लेखन शैलियों (वर्णनात्मक, व्याख्यात्मक और प्रेरक) को पहचानते और सराहते हैं।
	C-2.2 विभिन्न प्रकार के साहित्य को पढ़कर साहित्यिक उपकरणों (उपमा, रूपक, मानवीकरण, अतिशयोक्ति, अनुप्रास (अलंकार), मुहावरे, कहावतें और पहेलियाँ) को पहचानते हैं और उनका लेखन में प्रयोग करते हैं।
	C-2.3 सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचारों और आलोचनाओं को भाषण और लेखन के माध्यम से व्यक्त करते हैं।
CG-3: बुनियादी भाषाई पहलुओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और मौखिक और लिखित	C-3.1 विभिन्न प्रकार के साहित्य को पढ़ते समय वाक्य संरचना, विराम चिह्न, काल, लिंग और शब्द भेद जैसे बुनियादी भाषाई पहलुओं (नियमों) की व्याख्या और समझ रखते हैं और लेखन में उनका प्रयोग करते हैं।

अभिव्यक्ति में उनका उपयोग करने की क्षमता विकसित करते हैं।	C-3.2 उचित शैली और भाषा का प्रयोग करते हुए गद्य, कविता और नाटक लिखते हैं।
CG-4: समीक्षा लिखने की क्षमता विकसित करता है और संदर्भ खोजने के लिए पुस्तकालय का उपयोग करते हैं।	C-4.1 विभिन्न विधाओं (कथा और कथेतर) की पुस्तकों को पढ़ते हैं, उन पर प्रतिक्रिया देते हैं और उनकी आलोचनात्मक समीक्षा करते हैं।
	C-4.2 परियोजनाओं और अन्य गतिविधियों में उपयोग के लिए संदर्भ खोजने हेतु पुस्तकों और अन्य मीडिया संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं।
CG-5: किसी भाषा की विशिष्ट विशेषताओं, जैसे कि वर्णमाला और लिपि, ध्वनियाँ, तुकबंदी, शब्द-खेल, भाषा के लिए अद्वितीय अन्य खेलों के प्रति सराहना विकसित करते हैं।	C-5.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि, स्वरों और व्यंजनों की संख्या, और उनके परस्पर क्रिया और उपयोग को समझते हैं।
	C-5.2 भाषा में शब्दों के साथ खेले जाने वाले शब्दों को रोचक और मनोरंजक बनाने के लिए, तुकबंदी, अनुप्रास और अन्य शब्द-खेलों का उपयोग करते हैं।
	C-5.3 भाषा में प्रचलित कुछ प्रमुख शब्द-खेलों से परिचित होते हैं (जैसे कि उल्टा सीधा एक समान (पैलिनड्रोम्स) जैसे- डालडा, आद्याक्षर विपर्यय (स्पूनिरिज्म) अर्थात दो या दो से अधिक शब्दों की शुरूआती ध्वनियाँ आपस में बदल जाती हैं जिससे एक नया बेतुका अथवा मज़ेदार शब्द या वाक्यांश बन जाता है उदाहरण: दाल-चावल, चाल-दावल, दिए गए अक्षरों या ध्वनियों के बिना बनने वाले वाक्य, पहेलियाँ, चुटकुले, अंताक्षरी, वर्ण-विपर्यय (एनाग्राम), क्रॉसवर्ड पहेलियाँ आदि।